B.A. III भूगोल

Date ___/___/___

प्र० भारत वर्ष मे खाद्य सुरक्षा की स्थिति

उ०→ खाद्य सुरक्षा से आशय उन लोगो को उचित खाद्य आपूर्ति करना है जो मूल पोषण से वंचित है संयुक्त राष्ट्र के अनुसार भारत मे लगभग 19.5 करोड़ लोग कुपोषित है जो कि वैश्विक भूखमरी का एक चौथाई हिस्सा है।

भारत मे लगभग 43% बच्चे लम्बे समय तक कुपोषित है देश के प्रत्येक नागरिक को भोजन का अधिकार प्रदान करने के लिए संसार ने सांसद ने 2013 मे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 नामक एक कानून पारित किया इसे खाद्य सुरक्षा कानून भी कहा जाता है। इस अधिनियम के तहत भारत 1.2 अरब की आबादी के लगभग दो तिहाई लोगो को कम दाम पर अनाज प्रदान करने का प्रावधान है। यह कानून 12 सितम्बर 2013 को पारित हुआ।

इसके अन्तर्गत मध्याह्न भोजन योजना एकीकृत बाल विकास सेवा योजना और सार्वजनिक वितरण प्रणाली सामिल है।

2017 – 2018 मे लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत खाद्य सब्सिडी प्रदान करने के लिए 1500 अरब रुपया आंवटित किये गये। एनएसएफएस 2013 मे मातृत्व अधिकार का भी प्रावधान है, गर्भवती महिलाओ स्तनपान कराने वाली माताओ और बच्चो की कुछ श्रेणियाँ दैनिक मुफ्त अनाज के लिए पात्र है।

Page No. ___

Date __/__/__

प्र०→ भारत मे प्रजनन दर एंव मृत्युदर पर प्रकाश डालिए।

उ०→ प्रजनन दर → उर्वरता को जन्म दर या प्रजनन दर भी कहते है।

प्रति हजार व्यक्तियो द्वारा पैदा किये गये बच्चो की संख्या को जन्मदर कहते है। आवश्यक नही कि जन्मदर मे वृद्धि से जनसंख्या मे वृद्धि हो। सम्पुर्ण जीवन काल मे कुल जन्म दिये गये बच्चो की औसत संख्या की कुल उर्वरता दर कहते है। उर्वरता को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारक आर्थिक विकास एव मानव विकास स्तर है। अन्य कारको मे काम शक्ति पोषणता सामाजिक एंव सास्कृतिक आदि भी उर्वरता पर प्रभाव डालते है।

विकासित देशो मे उर्वरता कम तथा विकासशील देशो मे तुलनात्मक रूप से उर्वरता अधिक है। भारत मे प्रजन्न दर ~~३.४ है~~ 3.4 है। आदर्श उर्वरता दर २.१ से कही अधिक है। ग्रामीण क्षेत्रो मे प्रजन्न दर 3.4 तथा शहरी क्षेत्रो मे २.७ है।

इस प्रकार ग्रामीण क्षेत्र मे प्रजन्न दर शहरी क्षेत्र से 30% अधिक है। सूचना तकनीक के प्रति बढ़ती जागरुकता शिक्षा रोजगार से उर्वरता दर मे कमी हो रही है।

मृत्यु दर → स्वास्थय चिकित्सा सुविधा एंव स्वच्छता प्रमुख रूप से मृत्युदर को प्रभावित करते है। प्राती हजार जनसंख्या पर होने वाली मृत्यु को मृत्युदर कहते है। सबसे अधिक तथा केरल राज्य की मृत्यु दर सबसे कम है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया